Title:

योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर): अध्यक्ष महोदया, देश में जापानी इन्सीफ्लाइटिस, कालाजार, डेंगू, टिटनिस, काली खांसी तथा अन्य तमाम वैक्टर जनित बीमारियों से हजारों मौतें होती हैं। इन मौतों को रोकने के लिए इस देश के अंदर कुछ विशेष प्रकार के टीकाकरण की व्यवस्था थी और उसके लिए कुछ संस्थान स्थापित किए गए थे, जिनमें केन्द्रीय शोध संस्थान, कसौली; पाश्चर इन्स्टीट्यूट आफ इंडिया, कुन्नूर; बीसीजी लैब, गिंडी और भी तमाम ऐसे संस्थान थे, जहां टीकाकरण बनाए जाते थे और इनके माध्यम से बैक्टर जनित बीमारियों के रोकथाम का प्रावधान था। यह दुखद है कि दो वर्ष पूर्व इन सभी संस्थानों को बंद कर दिया गया और उसका परिणाम है कि देश के अंदर पिछले दो वर्षों से वैक्टर जनित बीमारियों का प्रतिरोधी टीकाकरण नहीं हो पा रहा है, जिसके कारण हजारों मौतें हो रही हैं। जापानी इन्सीफ्लाइटिस से पूर्वी उत्तर प्रदेश में हजारों मौतें होती हैं, कालाजार और डेंगू से बिहार में जो मौतें होती हैं, उनकी बातें लगातार हम इस सदन में उठाते रहे हैं और इस बात की मांग करते रहे हैं कि टीकाकरण उसका एक माध्यम हो सकता है क्योंकि टीकाकरण से प्रतिरोधक क्षमता पैदा होगी और वैक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम होगी। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि ये जो संस्थान बंद किए गए हैं, यह कुछ निजी संस्थानों को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से और साथ ही साथ विदेशों से टीका मंगवाए जाने के लिए किए गए हैं। हमारे देश में करोड़ों वैक्सीन्स की आवश्यकता है। इसमें कुछ लोगों की मिलीभगत है, इस प्रकार के प्रमाण मिले हैं। केवल डब्ल्यूएचओ को माध्यम बनाकर भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के टीकाकरण संस्थानों को बंद करना, इस देश के गरीबों के जीवन के साथ खिलवाड़ है। आपके माध्यम से मैं सरकार से अनुरोध करूंगा कि जिन सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनियों को बंद किया गया है, उन्हें पुनः चालू किया जाए, उनकी क्षमता को बढ़ाया जाए, उनकी गुणवत्ता को बेहतर करने का प्रयास हो और जापानी इन्सीफ्लाइटिस, डेंगू, मलेरिया, कालाजार, फाइलेरिया या वैक्टर जनित जितनी भी बीमारियां हैं, इन बीमारियों की रोकथाम करने के लिए प्रभावी कार्यवाही की जाए। धन्यवाद।